20. भोपाल में एम आई सी के अनुषंगी अध्ययनों के लिए आंकड़ा आधारित और सूचना प्रणाली के लिए आई सी एम आर का प्रतिष्ठान।

Manufacture of low quality perfuimaa

1978. SHRI KAMAL MORARKA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that inte rior qualiiy perfumes are being ma nufactured in the country due to non-availability of ethyl alcohol in sufficient quantity; and

(b) if so, what steps are being contemplated to promote the indigen ous production of ethyl alcohol?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILISERS (SHRI EDU-ARDO FALEIRO); (a) Presently Ethyl alcohol is available in sufficient quantity in the country. However there, are reports that solvents other than Ehyl alcohol are being used in the manufacture of perfumes.

(b) Does not arise.

हिंदुस्तान फर्टिलाइजर्स कारपोरेशन लिमिटेड का उत्पादन

1979. **श्री सोम पाल** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) हिंदुस्तान फर्टिलाइजर्स कारपोरेशन लिमिटेड के निर्माण कार्य कितने समय में पूरा हुए थे तथा तब से इस कारपोरेशन में वर्षवार कितना उत्पादन हुआ;

(ख) इस कारपोरेशन की उत्पादन क्षमता कितनी है;

(ग) कम उत्पादन होने के क्या कारण हैं ;

(घ) इसके आरम्भ होने से अब तक वर्षवार घाटा कितना रहा है ; और

(ङ) इसकी उत्पादन क्षमता के पूर्ण उपयोग के लिये कौन-कौन से कदम उठाए गये हैं/उठाए जा रहे हैं ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो) : (क) और (ख) भूतपूर्व फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया लि० के पुनर्गठन के परिणामस्वरूप हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कारपोरेशन लि० (एच०एफ०सी०) को पहली अप्रैल, 1978 को निगमित किया गया था । एच एफ सी के सभी संयंत्रों की वार्षिक स्थापित क्षमता 1978-79 में 5.01 लाख टन नाइट्रोजन से बढ़ कर 1991-92 में 6.53 लाख टन हो गयी । इसी अवधि के दौरान वार्षिक उत्पादन 2.06 लाख टन से लगभग 2.10 लाख टन के बीच हुआ, 2.89 लाख टन का उच्चतम उत्पादन 1987-88 में प्राप्त किया गया था ।

(ग) एच एफ सी के संयंत्रों में निम्न उत्पादन मुख्यतः प्रौद्योगिकी तथा डिजाइन त्रुटियों, बारम्बार उपस्कर खराबियों, पावर की कमी, निधि बाधाओं तथा औद्योगिक सम्बन्ध समस्याओं के कारण हुआ ।

(घ) एच एफ सी द्वारा इसके आरम्भ से उठाई गई वार्षिक हानि नीचे दी गयी है :—

वर्ष	लाभ (+)/ हानि (–) (रु० करोड़)
1978–79	(–) 22.52
1979–80	(–) 36.23
1980–81	(–) 54.05
1981–82	(–) 48.13
1982–83	(–) 55.35
1983–84	(–) 72.40
1984–85	(–) 72.23
1985–86	(–) 71.56
1986–87	(–) 86.22
1987–88	(–) 104.84
1988–89	(–) 156.33
1989–90	(–) 169.79
1990–91	(–) 231.45
1991–92	(–) 240.31
	(–) 1421 46

(ङ) संयंत्रों में सामान्य मरम्मत तथा प्रतिस्थापन के अतिरिक्त सभी एककों में कैपटिव पावर संयंत्र स्थापित किए गए हैं । संयंत्रों के मुख्य पुनरुद्धार का कोई कार्य नहीं किया जा सका क्योंकि उच्च निदेश तथा उससे उत्पन्न आवर्ती उच्च राजसहायता दायित्व को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को लाभप्रद नहीं समझा गया । अब कम्पनी को बी आई एफ आर द्वारा रुग्ण घोषित कर दिया गया है और सरकार को निर्देश दिया गया है कि 31-3-1993 तक लाभप्रद पुनरुद्धार पैकेज प्रस्तुत करें ।

"हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लिमिटेड" कोचीन में संकट

1980. **श्री अजीत जोगी** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या "हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लिमिटेड" कोचीन को बेन्जीन की कीमतों में वृद्धि की वजह से संकट का सामना करना पड़ रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में क्या निवारक कदम उठाए जा रहे हैं ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एड्डआर्डो फलेरियो) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

उर्वरकों के विपणन पर प्रतिबंध समाप्त करने का प्रस्ताव

1981. **श्री अजीत जोगी** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार सभी किस्म के उर्वरकों के विपणन पर प्रतिधारण कीमत तथा पूल और क्षेत्र प्रतिबंध समाप्त करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) इसका उर्वरक उद्योग पर क्या प्रभाव पड़ेगा; और

(घ) कीमतों में वृद्धि की वजह से रासायनिक उर्वरकों के उत्पादन तथा उनके उपभोग पर किस सीमा तक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एड्डआर्डो फलेरियो) : (क) से (घ) इस समय नाइट्रोजनी उर्वरकों के सम्बन्ध में प्रतिधारण मूल्य योजना अथवा मूल्य एवं संचलन नियंत्रण समाप्त करने के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है । तथापि, फास्फेटिक एवं पोटाशिक उर्वरकों पर मूल्य एवं संचलन नियंत्रण 25-8-1992 से वापस ले लिये गये थे । अनियंत्रण के पश्चात् कई घरेलू फास्फेटिक एवक अपेक्षाकृत सस्ते आयातों से प्रतिस्पर्धा में कठिनाई की रिपोर्ट दे रहे हैं । अक्टूबर 1992 से जनवरी 93 की अवधि के दौरान पी$_2$ ओ$_5$ के रूप में फास्फेटिक उर्वरकों का कुल उत्पादन 7.44 लाख टन तक पहुंच गया । जबकि अक्तूबर 1991 से जनवरी 92 के दौरान यह 8.83 लाख टन था । चालू रबी सत्र के दौरान डाई अमोनियम फास्फेट (डी ए पी) की बिक्री में गत रबी सत्र की तुलना में लगभग 32% की कमी आई है और एमओपी के सम्बन्ध में यह कमी 55% है ।

Allegations of corrupton against the Officials of the Department of Chemicals

1982. SHRI H. HANUMANTHAPPA:
SHRIMATI SATYA BAHIN:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that serious allegations have been made on the issue of non-determination of liabilities and also non-recovery of dues from the drug companies as appeared in the 'Orissa Times' dated the 14th December, 1992; and